VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN
0 1 AUG 2023
No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2419)

Name of Candidate	NEERAJ SONGARA		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	1447625
Center	MN	Date	01/Aug/2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जांच में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा निभाई गई भूमिका पर चर्चा कीजिए।
Discuss the role played by the Directorate of Enforcement in the investigation of offence of money laundering and violations of foreign exchange laws. (Answer in 150 words) 10

भारत में प्रवर्तन निदेशालय की स्थापना 1956 में विदेशी मुद्रा बाज़ार के प्रबंधन व नियंत्रण हेतु की गयी थी।

प्रवर्तन निदेशालय की भूमिका व अधिदेश :-

(1). निम्नलिखित कानूनों का क्रियांवयन सुनिश्चित करना –
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (1999)
- PMLA का क्रियांवयन
- भगोड़ा अपराधी रोकथाम अधिनियम (2015)

(2). मनी लान्ड्रिंग द्वारा अर्जित सम्पत्ति की जब्ती करना।

(3). मुद्रा व्यापार संबंधी अपराधों पर नियंत्रण लगाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- संगठित अपराधों पर रोकथाम के प्रयास।

- राष्ट्र विरोधी NGO द्वारा विदेशी मुद्रा की अनियमितता पर रोकथाम लगाना।

चिंताएं:-

- ECIR को अपराधी के साथ साझा न किया जाना।

↳ प्राकृतिक न्याय की अवहेलना (हालांकि न्यायालय द्वारा इस प्रक्रिया को उचित माना गया)

- अपराध सिद्धि में कमी (लगभग 5000 केस में से 23 का ही निपटारा।

सुधार:- • तकनीकी कौशल
• अंतर्समन्वय तंत्र को बेहतर करना।

भारत के TAX/GDP अनुपात में वृद्धि हेतु ED की कार्यक्षमता को और बेहतर करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. भारतीय संविधान भारत में उदार लोकतंत्र के विकास हेतु एक ढांचा प्रदान करने में सफल रहा है। विश्लेषण कीजिए।
The Indian Constitution has been successful in providing a framework for liberal democracy to flourish in India. Analyse. (Answer in 150 words) 10

उदार लोकतंत्र से आशय एक ऐसी शासन प्रणाली से है जो अधिकारों पर केंद्रित हो, नागरिकों के मूल अधिकारों को महत्व दिया जाता है ताकि मानव का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

भारतीय संविधान में उदार लोकतंत्र के तत्व :-

- प्रस्तावना - में आर्थिक, राजनीतिक-सामाजिक सुरक्षा पर बल,
  न्याय, बंधुत्व एकता को समाहित करना।
- मूल अधिकारों में व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (Art 19(1)a) ; जीवन का अधिकार [Art (21)], शिक्षा का अधिकार (Art 21A)
- धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा (Art 25)
- अल्पसंख्यकों की सुरक्षा (Art 26-28)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- राज्य के नीति निदेशक तत्वों द्वारा उदारवादी लोकतंत्र की स्थापना का नैतिक दायित्व। (Art 43 B(b))
  Art 39A → मुक्त विधिक सहायता।
- न्यायालय द्वारा जीवन के अधिकार का विस्तार (पुट्टास्वामी वाद → निजता का अधिकार)
- नवतेज जौहर वाद (लैंगिक समानता का अधिकार)
- विशाखा गाइडलाइन आदि।

इस प्रकार भारत में संविधान में उदारवादी दर्शन के माध्यम से भारत में मानव के सम्पूर्ण विकास की लक्ष्य प्राप्ति पर बल दिया गया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. "समनुषंगिता के सिद्धांत" से आप क्या समझते हैं? भारत के संदर्भ में इसके महत्व की विवेचना कीजिए।
What do you understand by the "principle of subsidiarity"? Discuss its importance in the context of India. (Answer in 150 words) 10

समनुषंगिता से आशय शक्तियों के हस्तांतरण से लिया जा सकता है। इसके अंतर्गत केंद्रीय शासन प्रणाली द्वारा कुशल प्रशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु स्थानीय शासन को शक्तियों का हस्तातंरण किया जाता है।

भारत में 73वें व 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से इसकी प्राप्ति सुनिश्चित की गयी है।

महत्व :-

- स्थानीय समस्याओं का बेहतर निपटान।
- वन साइज़ फिट आल समस्या का समाधान।
- स्थानीय उत्तरदायित्व को बढ़ावा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सहभागिता लोकतंत्र की प्राप्ति।
- धन का विकेन्द्रीकरण
  - ↳ भ्रष्टाचार पर नियंत्रण।
- स्थानीय नेतृत्व का उभार।

चुनौतियाँ :

- जटिल नौकरशाही
  - ↳ लक्ष्य प्राप्ति में बाधक।
- राज्यों व केंद्र द्वारा शक्तियों को त्यागने में शिथिलता।
- शिक्षा, जागरूकता का अभाव।
- तकनीकी अवसंरचना में कमी।

शासन के कुशल क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर ग्रामीण स्वायत्तता, विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देकर गांधी जी के स्वराज की स्थापना के लक्ष्य का साकारित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. "मूल कर्तव्यों का नैतिक मूल्य अधिकारों का दमन करना नहीं होगा, बल्कि लोगों को अपने कर्तव्यों के प्रति उसी रूप में जागरूक बनाकर एक लोकतांत्रिक संतुलन स्थापित करना है, जिस प्रकार से वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं।" चर्चा कीजिए।

"The moral value of fundamental duties would not be to smother rights but to establish a democratic balance by making the people conscious of their duties equally as they are conscious of their rights". Discuss. (Answer in 150 words) 10

भारतीय संविधान में 42वे संविधान संशोधन के माध्यम से अनु. 51(A) के अंतर्गत मूल कर्तव्यों की स्थापना की गयी है।

मूल कर्तव्यों का महत्व :-

- नागरिकों का राज्य के प्रति नैतिक दायित्व सुनिश्चित करना।
- नागरिकों में राष्ट्र के प्रति उसके आदर्शों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना।
- कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर व्यक्ति के मूल अधिकारों को सुरक्षित करना।
  (महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह को त्यागना)
  ↳ (अमृतकाल में पंच प्रण में से एक)

- वैज्ञानिक चिंतन को बढ़ावा देना।
  ↳ भारत को वैश्विक शक्ति बनाने में सहायक।
- पर्यावरणीय जागरूकता, वन संरक्षण को बढ़ावा।
  ↳ सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति।
- साम्प्रदायिकता का त्याग, सर्वधर्मसमभाव।
  ↳ कानून व्यवस्था में सुधार
  ↓
  राज्य द्वारा प्रशासन पर प्रभावी ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

वस्तुत: देखा जाये तो अधिकार और कर्तव्य एक सिक्के के दो पहलू है गांधी जी के अनुसार व्यक्ति यदि अपने नैतिक कर्तव्यों का पालन सुनिश्चित करें तो उसके अधिकार स्वयं ही ~~सुरि~~ सुरक्षित हो जायेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. क्या आपको लगता है कि कार्यपालिका द्वारा प्रत्यायोजित विधान का प्रयोग शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत के विरुद्ध है? भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।
Do you think the exercise of delegated legislation by the executive goes against the principle of separation of powers? Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

प्रत्यायोजित विधान से आशय है शासन की दिन-प्रतिदिन की जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्यपालिका द्वारा नियम निर्माण से है जिसे स्वयं विधायिका द्वारा कार्यपालिका को हस्तांतरित किया जाता है।

प्रत्यायोजित विधान के उदाहरण :-

→ कार्यपालिका द्वारा अध्यादेश का प्रयोग।
→ कानूनों पर नियम बनाने की शक्ति

शक्ति पृथक्करण के विरूद्ध :-

→ कानून निर्माण का कार्य विधायिका का, अत: उसके कार्यों में हस्तक्षेप।
→ स्थापित कानूनों से बाहर जाकर नियमों का निर्माण जैसे डिजिटल मीडिया हेतु

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गाइडलाइन, कुछ आलोचकों द्वारा IT Act 2000 के मूल नियम से आगे जाती हैं।

- अध्यादेशों की पुनर्स्थापना (SC → संविधान के साथ धोखाधड़ी)
  4 विधायिका के महत्व को कम करती है।

आवश्यकता क्यों?

- विधायिका की कार्यवाही स्थायी नहीं।
- कार्यपालिका द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता
  (कोविड महामारी)
- अध्यादेश व नियमों का बाद में विधायिका द्वारा पालन किया जाना।

इस प्रकार प्रत्यायोजित विधान सिद्धांतों में सही है इसके प्रयोग को सद्भावना के साथ किया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. दोषपूर्ण गवर्नेंस के पीछे प्रमुख कारण एक ढर्रे में सोचने की आदत और एकाकी कार्य प्रणाली है। भारत में लोक सेवाओं के संदर्भ में इसकी चर्चा कीजिए।
A key factor behind poor governance is a system of thinking and working in silos. Discuss in the context of public services in India. (Answer in 150 words) 10

भारत को अमृतकाल में 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकारित करने के लिए गतिशील व प्रो-पिपल गवर्नेंस माडल की आवश्यकता है।

वर्तमान गवर्नेंस मॉडल के दोष:-

- नौकरशाही का जड़त्व → निर्णय निर्धारण में देरी
- नवाचार में कमी व प्रोत्साहन में कमी।
- विभागों में समन्वय का अभाव
  ↳ सड़क निर्माण के बाद टेलीफोन तारों का विस्तार।
  ↳ कार्यों का दोहराव → NHAI, → राज्य विभाग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- संसाधनों पर दोहरा नियंत्रण।
  ↳ विमान पत्तन व रक्षा मंत्रालय के कुछ परियोजना में तालमेल की कमी। (पुणे एयरपोर्ट का वायु सेना द्वारा प्रयोग)
- प्रयासों का दोहराव।
  ↳ कृषि बीमा में केंद्र राज्य योजनाओं का दोहराव (तेलंगाना, राजस्थान)

सुधार

- गति शक्ति परियोजना
- लोकसेवकों के प्रशिक्षण में सुधार।
- CPGRAMS
- शिकायत निवारण तंत्र को बेहतर किया जाये।
- प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा।
- केंद्र-राज्य संबंधों में बेहतरी के प्रयास।
  ↳ नियमित अंतर राज्य परिषद बैठकें।

सहकारिता के साधन का प्रयोग कर भारत 'विकसित भारत' का निर्माण कर सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. असुरक्षित गर्भपात भारत में महिलाओं के प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके लिए उत्तरदायी कारणों की पहचान कीजिए और उपचारात्मक उपाय भी बताइए।
Unsafe abortions are a critical issue affecting the reproductive and maternal health of women in India. Identify the reasons behind the same and suggest remedial measures as well. (Answer in 150 words) 10

भारत में असुरक्षित गर्भपात मातृत्व मृत्यु दर को बढ़ाता है भारत में महिलाओं की मृत्यु का ~~३~~ तृतीय प्रमुख कारण असुरक्षित गर्भपात है। (NFHS-5)

उत्तरदायी कारक :-

- गर्भपात को लेकर सामाजिक धारणा
  ↳ फलत: गैर-पंजीकृत गर्भपात में बढ़ोत्तरी जो कि जोखिमपूर्ण होते हैं।
- महिलाओं के में यौन व प्रजनन स्वास्थ्य (SRH) शिक्षा स्तर में कमी (साक्षरता दर निम्न)
- सहमति पूर्ण यौन संबंधों को भी पाक्सो कानून के तहत अपराध माना जाना भी असुरक्षित गर्भपात को बढ़ावा देता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पुत्र प्राप्ति की इच्छा (आर्थिक सर्वे)
  ↳ इसके चलते महिलाओं की इच्छा विरुद्ध ~~सामाजिक~~ पारिवारिक दबाव के कारण गर्भपात को बढ़ावा।
- प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी (NFHS-5)

उपचारात्मक उपाय :-

- चिकित्सकों की शिक्षा स्तर में सुधार।
- महिलाओं SRH के प्रति जागरूकता को बढ़ावा।
- जमीनी स्तर पर विज्ञापन, कैंपेन का आयोजन (नुक्कड़ नाटक)
- सुरक्षित गर्भनिरोधक उपायों तक पहुंच।
- पाक्सो अधिनियम में सुधार। (SC का मत)

हाल ही में सुरक्षित गर्भपात की समय सीमा को 24 ~~सप्ता~~ सप्ताह किया जाना असुरक्षित गर्भपात को कम करने व महिलाओं के स्वयं के शरीर के प्रति अधिकारों को मान्यता देने के संदर्भ में एक सार्थक कदम है।

8. डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल भारत में स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच और उसकी वहनीयता से संबंधित स्थायी मुद्दों का समाधान करने में सक्षम है। इस संदर्भ में, देश को 'डिजिटल स्वास्थ्य' क्रांति के मुहाने पर लाने में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की भूमिका पर चर्चा कीजिए।
Digital healthcare has the potential to address the perennial issues pertaining to accessibility and affordability of healthcare in India. In this context, discuss the role of Ayushman Bharat Digital Mission in putting the country at the cusp of a 'digital health' revolution. (Answer in 150 words) 10

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन द्वारा भारत में सतत् विकास लक्ष्य-3 की प्राप्ति संभव है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तत्व

- जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा रिकार्ड का डिजिटलीकरण
- हेल्थ रिकार्ड का डिजिटलीकरण + टीकाकरण रिकार्ड
- ई-संजीवनी टेली-मेडिसीन
- स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, दवाईयों की उपलब्धता

स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में विस्तार

- इसके माध्यम से सुदूर पूर्व तक पहुंच बेहतर होगी।
- टीकाकरण कार्यक्रम में सुधार।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- ग्रामीण स्तर पर सेवाओं की पहुंच से OOPE में कमी आयेगी।
- वहनीयता :- ∘ लागत प्रभावी होने के चलते आर्थिक बचत ∘ फलत: अन्य क्षेत्रों में खर्च की क्षमता में सुधार।
  - ∘ ग्रामीण- शहरी विभाजन को कम करता है।
  - ∘ PM- जन औषधि केंद्र की जानकारी द्वारा वहनीय दवा विकल्प सुनिश्चित किया जा सकेगा।

आगे की राह :-

- ∘ इंटरनेट पहुंच को बढ़ावा देने की आवश्यकता।
- डाटा संरक्षण संबंधी चिंताओं पर कार्य करने की आवश्यकता।

भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का कुशलतापूर्वक उपयोग तभी संभव होगा जब 'स्वस्थ भारत' के लक्ष्य की प्राप्ति कर ली जायेगी अत: उपरोक्त चिंताओं पर कार्य करना आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. दक्षिण एशिया से एकमात्र G20 सदस्य के रूप में, भारत के लिए G20 का नेतृत्व वैश्विक स्तर पर दक्षिण एशिया की आवाज को बुलंद करने के लिए एक प्रभावी मंच के तौर पर इस समूह का उपयोग करने हेतु एक आदर्श अवसर है। टिप्पणी कीजिए।
As the only G20 member from South Asia, the G20 leadership is an ideal opportunity for India to use it as an effective platform to amplify South Asia's voice at the global stage. Comment. (Answer in 150 words) 10

G20 की ~~स्थापना~~ स्थापना 1999 में की गयी थी यह मंच विश्व की 60% जनसंख्या, 70% वैश्विक व्यापार व 85% वैश्विक GDP का प्रतिनिधित्व करता है।

G20 में भारतीय नेतृत्व - दक्षिण एशिया की आवाज के रूप में :-

- दक्षिण एशिया की पर्यावरणीय समस्याओं को उठाया जा सकता है।
  - ↳ सर्वाधिक चक्रवात प्रभावित क्षेत्र।
  - ↳ CBDR पर ध्यान केंद्रित करा सकता है।
  - ↳ विकसित राष्ट्रों का ऐतिहासिक उत्तरदायित्व।
- स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी तक पहुंच
  - ↳ वृहद आबादी की जरूरतों की पूर्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हेतु बांग्लादेश, इंडोनेशिया, भारत थाईलैंड आदि को स्वच्छ प्रौद्योगिकी की आवश्यकता।

- आतंकवाद, मनीलाड्रिंग पर कार्य
  - ↳ भारत द्वारा NMFT समिट की बैठक
- आर्थिक क्षेत्र में पुनर्निर्माण की आवश्यकता
  - ↳ वैश्विक महामारी के अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव फलत: विकासशील राष्ट्रों के लिए बाज़ार पहुंच में सुधार।

भारत द्वारा G-20 बैठक से पूर्व दक्षिण एशिया समिट, व NMFT समिट उसकी प्राथमिकता को दर्शाता है इस पर प्रभावी कार्य करके भारत दक्षिणी विश्व की आवाज बनकर उभर सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. भारत-यू.ए.ई. CEPA दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा तथा भारत को इस क्षेत्र में व्यापक पहुंच प्रदान करेगा। चर्चा कीजिए।
The India-UAE CEPA will serve as a catalyst to bolster economic ties between the two countries and give India greater access to the region. Discuss. (Answer in 150 words) 10

भारत - यूएई CEPA भारत यू.ए.ई. की गतिशील सामरिक कूटनीति को दर्शाते हैं।

भारत UAE CEPA के लाभ:-

- भारत की ऊर्जा आवश्यकता की सतत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।
- पश्चिम एशिया में भारत की स्थिति मजबूत होगी।
- इसके माध्यम से चीनी कूटनीति को प्रतिसंतुलित किया जा सकेगा।
- भारतीय प्रेषण में सुधार (UPI का अंतर्राष्ट्रीयकरण)
- UAE को भारत में निवेश का अवसर प्राप्त होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत को व्यापक पहुंच :-

- चीन द्वारा अरब- ईरान समझौते के प्रयास के चलते भारतीय पहुंच को बढ़ावा देने में UAE CEPA महत्वपूर्ण होगा।
- UAE से आर्थिक संबंध पश्चिम एशिया व यूरोप तक पहुंच के लिए भारत के लिए महत्वपूर्ण होंगे।
- भारतीय उद्योगों को UAE में निवेश का अवसर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी।
- भारतीय मानव संसाधन को रोजगार का विकल्प प्राप्त होगा।

पश्चिम एशिया के बदलती गतिशील भू-राजनीति में भारत का UAE से संबंधों में सुधार भारत की इस क्षेत्र में आर्थिक -सामरिक पहुंच को बेहतर करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. एक दोषपूर्ण आपराधिक न्याय प्रणाली, सुविचारित कानून की अनुपस्थिति और डोमेन विशेषज्ञता की कमी को भारतीय न्यायपालिका के लिए नई चुनौतियों के रूप में देखा जा रहा है। चर्चा कीजिए।
A dysfunctional criminal justice system, absence of well-considered legislation and need for domain expertise, are being seen as the new challenges for the Indian judiciary. Discuss. (Answer in 250 words) 15

भारत में न्यायपालिका में 4.5 Cr से भी अधिक विवादों का होना भारत में ~~न्याय तंत्र कि~~ आपराधिक न्याय प्रणाली की ~~कमियाँ~~ कमियों को उजागर करता है।

दोषपूर्ण आपराधिक न्याय प्रणाली :-

- पुलिस ~~के~~ पर ~~न्याय~~ लोक व्यवस्था व अभियोजन एक साथ दायित्व।
- फोरेंसिक जाँच तंत्र की खराब स्थिति।
- पुलिस पर अति भार।

सुविचारित कानूनों की अनुपस्थिति :-

- कानून निर्माण में तेजी न्यायपालिकीय विवाद को बढ़ावा देती है।
- ~~~~ भूतलक्षी कानून निर्माण की उपस्थिति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- विशेषज्ञों की राय की अवहेलना।
- समग्र, समावेशी कानूनों की अनुपस्थिति।
- अद्यतन की समस्या (औपनिवेशिक कानूनों की उपस्थिति)

डोमेन विशेषज्ञता की कमी:-

- फोरेंसिक एक्सपर्ट की कमी।
- न्यायपालिका में रिक्तियाँ।
- ट्रिब्यूनल में तकनीकी सदस्यों की कमी।

सुधार के प्रयास :-

①. आपराधिक न्याय प्रणाली

↳ नवीन फारेंसिक नीति

↳ अपराधियों के डाटा एकत्र हेतु नया कानून।

↳ बायोमैट्रिक डाटा ~~संग्र~~ संग्रहण

↳ अपराध दोष सिद्धि में सुधार होगा।

- पुलिस रिफार्म → मॉडल एक्ट

- नवीन जेल सुधार अधिनियम
- नेट ग्रिड,
- CCTNS की स्थापना

कानून निर्माण → मॉडल कानूनों के माध्यम से राज्यों को ~~सुधार~~ सुझाव।

डोमेन विशेषज्ञता :- ० नये क्षेत्र यथा डार्क नेट, क्रिप्टोबाजार हेतु विशेषज्ञों की नियुक्ति।
- अधिकारियों की मिड टर्म टैनिंग में सुधार।

भारत में न्यायिक तंत्र में समग्र सुधार हेतु शासन के तीनों अंगों में समन्वय को बढ़ावा देकर नागरिक समाज के सुझावों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

12. दल-बदल विरोधी कानून भारत में राजनीतिक अस्थिरता के मुद्दे को किस हद तक हल करने में सक्षम रहा है? उपयुक्त तर्कों के साथ चर्चा कीजिए।

To what extent has the anti-defection law been able to address the issue of political instability in India? Discuss with suitable arguments. (Answer in 250 words) 15

भारत में 52 वे संविधान ~~संस~~ संशोधन के माध्यम से 1985 में 10वी अनुसूची के तहत दल बदल अधिनियम अधिनियम की स्थापना की गयी है।

दल-बदल कानून की विशेषता :-

- इसके माध्यम से राजनीतिक दलों के विधायक/ सांसद के दलबदल को रोका गया।
- दल के विह्प के उल्लंघन पर सदस्यता जाने के प्रावधान।
- स्वतंत्र सदस्य के किसी भी पार्टी में शामिल होने पर प्रतिबंध।
- सरकार की स्थिरता को सुनिश्चित करने का प्रयास।

कानून के लाभ :-

- सरकारों की स्थिरता में सुधार हुआ।
- राजनीतिक सुचिता में सुधार।
- राजनीतिक संकट में कमी।
- चुनावों की बारम्बारता में कमी।
- सरकार द्वारा राजनीतिक घोषणा पत्र पर कार्य आसान हुआ।
- विधायिका में कानून निर्माण बेहतर हुआ।

कानून की कमियाँ :

- सामूहिक दलबदल रोकने में विफल। (महाराष्ट्र, म.प्र. की घटनाएं)
- स्पीकर द्वारा राजनीतिक पूर्वाग्रह से निर्णय।
- सांसद / विधायिका की अभिव्यक्ति पर अंकुश।
- प्रतिनिधि की क्षेत्र की अपेक्षा राजनीतिक दल के प्रति निष्ठा।
- असहमति प्रकटीकरण में कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- लोकतांत्रिक विचारों के विरुद्ध।

सुधार के प्रयास :-

- दलबदल के सम्बन्ध में निर्णय चुनाव आयोग की सलाह पर राज्यपाल द्वारा लिये जाये। (दिनेश गोस्वामी समिति)
- दल बदल पर समय सीमा (सामान्यत 3 माह के भीतर निर्णय लिया जाये ताकि न्यायपालिका हस्तक्षेप की आवश्यकता कम हो। (मणिपुर MLA द्वारा SC के आदेश पर हटाया गया)
- स्पीकर द्वारा राजनीतिक दल की सदस्यता को त्यागना अनिवार्य बनाया जाये।

दलबदल की घटनाएँ न केवल राजनीतिक संकट का कारण बनती है बल्कि यह नागरिकों में चुनावों के प्रति उत्साह को भी कम करती है अतः आवश्यक है कि उपरोक्त ~~सुझावों~~ ~~पर~~ सुझावों पर कार्य किया जाये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. भारत में अंतर्राज्यीय नदियों का प्रबंधन परस्पर विरोधी संघवाद के कारण विभिन्न समस्याओं से ग्रसित है। चर्चा कीजिए। साथ ही, उन तंत्रों को रेखांकित कीजिए जिनका उपयोग भारत में अंतर्राज्यीय नदी जल विवादों को हल करने के लिए किया जा सकता है।
Governance of inter-state rivers in India suffers from various issues due to conflictual federalism. Discuss. Also, highlight the mechanisms, which can be utilised to resolve inter-state river water disputes in India. (Answer in 250 words) 15

भारत में अंतर्राज्यीय नदियों का प्रबंधन प्रारम्भ से ही राजनीतिक, प्रशासनिक संकट का कारण रहा है।

अंतराज्यीय नदी प्रबंधन तंत्र :-

- जल राज्य सूची का विषय किंतु प्रबंधन पर केंद्र की भी जिम्मेदारी।
- जल विवाद समाधान हेतु परिषदों का गठन (अनु 262)
- न्यायालय का हस्तक्षेप → (Art 131) → (Art 136)
- अंतराज्यीय परिषदों के प्रस्ताव
- राज्यों के मध्य समझौते (केरल व तमिलनाडु)
-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विवाद के प्रमुख कारण :-

- क्षेत्रीय दलों द्वारा वोट बैंक राजनीति।
- क्षेत्रीय आकांक्षाओं को उभार देकर क्षेत्रवादी राजनीति।
- जल संसाधन का अकुशल प्रबंधन।
- जलवायु परिवर्तन।
- सदावाही नदियों में कमी (प्रायद्वीपीय भारत)
- राजनीतिक इच्छाशक्ति में कमी।
- न्यायिक अतिरेक।

समाधान के प्रयास :-

- ~~नदि~~ नदी जल विवादों पर बने ~~न्यायि~~ न्यायिक अधिकरणों का समामेलन।
- जल दक्षता में सुधार के प्रयास
  ~~भारत~~ नीति आयोग → (कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इन्डेक्स)
- बेहतर जल ~~का~~ बारवारा तंत्र
  ↳ वैज्ञानिक पद्धति जिसमें आवश्यकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पुनर्भरण, जल संरक्षण को महत्व दिया जाये।

- जल संभर क्षेत्रों का विकास।
- वर्षा जल संरक्षण।
- अंतर्राज्यीय परिषदों में सुलह का प्रयास।

वस्तुत: जल एक प्रभावी संसाधन है जिसका संरक्षण का प्रयास विवाद समाधान का प्रमुख अंग होना चाहिए तो वहीं समाधान हेतु राष्ट्रीय हित को क्षेत्रीय हित पर प्राथमिकता देना भी आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. उत्तर-औपनिवेशिक दस्तावेज होने के बावजूद भारतीय संविधान के उन मूलभूत पहलुओं का सविस्तार वर्णन कीजिए, जिनके संदर्भ में यह अपने समकालीन संविधानों से भिन्न था।
Elaborate on the fundamental aspects in which the Indian Constitution differed from its contemporaries despite being a post-colonial document. (Answer in 250 words) 15

भारतीय संविधान पर सदैव यह आक्षेप लगाया जाता रहा है कि यह उधार का संविधान है।

किंतु इसके प्रतिउत्तर में बी. आर. अम्बेडकर का कथन महत्वपूर्ण है जहाँ उन्होंने कहा कि "भारतीय संविधान के निर्माण के समय कई संविधानों का अध्ययन कर भारतीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इसका निर्माण किया गया है।"

समकालीन संविधान का प्रभाव :-

ब्रिटेन → संसदीय शासन प्रणाली
→ संसद के प्रति कार्यपालिका उत्तरदायित्व

USA → मूल अधिकारों का प्रावधान
→ उपराष्ट्रपति का पद

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

फ्रांस → स्वतंत्रता समानता बंधुत्व

आस्ट्रेलिया → संयुक्त बैठक का प्रावधान

जर्मनी (वाइमर गणतंत्र)
↳ आपातकालीन प्रावधान

समकालीन संविधानों से भिन्नता :-

- ब्रिटेन के समान शैडो कैबिनेट नहीं होना।
- ब्रिटेन में संवैधानिक राजतंत्र की अपेक्षा भारत में गणतंत्र का अपनाना। (सभी पद नागरिकों को उपलब्ध)
- संसदीय सर्वोच्चता की अपेक्षा संविधान की सर्वोच्चता।
- अमेरिकी मूलअधिकारों में सम्पत्ति व हथियार रखना मूलअधिकार किंतु भारत में अनुपस्थिति।
-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- अमेरिका में अध्यक्षीय शासन भारत में संसदीय शासन (मूल ढाँचे में शामिल)
- फ्रांस के समान राष्ट्रपति सीधे जनता द्वारा निर्वाचित नहीं।
- आस्ट्रेलिया की भाँति जजों की नियुक्ति हेतु न्यायिक आयोग नहीं (भारत में कॉलेजियम प्रणाली)
- अमेरिका में न्यायिक नियुक्ति में राष्ट्रपति व सीनेट की भूमिका (भारत में अनुपस्थिति)

इस प्रकार भारतीय संविधान, संविधान निर्माताओं की दूरदर्शी, विवेकपूर्ण समझ, लोकतंत्र में आस्था का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है जो कि भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाया गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. मुफ्त उपहार, विशेष रूप से चुनावों से पहले, समाज के लिए लाभकारी होने की बजाय अधिक हानिकारक हैं। क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में युक्तिसंगत तर्क दीजिए।
Freebies, especially ahead of elections, do more harm than good to the society. Do you agree? Give logical arguments in support of your answer. (Answer in 250 words) 15

मुफ्त उपहार को सरकारों द्वारा अपने नागरिकों को बिना शर्त सेवा व वस्तु की उपलब्धता सुनिश्चित ~~करा~~ कराने के रूप में समझा जा सकता है।

मुफ्त उपहार के समाज पर नकारात्मक प्रभाव :-

- समाज में नवाचार, कौशल को प्रभावित करता है।
- व्यक्ति के मत को मुद्रा में आंकना लोकतंत्र के महत्व को कम करता है।
- ~~[illegible]~~ उपभोग की संस्कृति को बढ़ावा। (फ्री बिजली के चलते दिल्ली में AC, माइक्रोवेव आदि की खपत में वृद्धि)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पर्यावरण संरक्षण के विपरीत।
  फ्री बिजली अत: जल का दोहन
  (सिंचाई हेतु → पंजाब)
  वाटर टेबल का नीचे जाना)
- गांधी के सात पापों में शामिल
  (बिना श्रम धनोपार्जन)

सरकार पर प्रभाव

- बारम्बारता में वृद्धि।
- राजकोषीय स्थिति पर प्रभाव
  (पंजाब का कर / GDP अनुपात
  4% तक
  राजस्थान 3%)
  केंद्रीय सहायता पर निर्भरता को बढ़ावा।
- राज्य में विकास कार्यों पर संकट।
  (कर्नाटक का उदाहरण)
- अन्य सामाजिक कार्यों पर प्रभाव।
  (शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर कम निवेश)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आगे की राह :-

- सकारात्मक परिणाम देने वाली योजना जैसे ICDS, MDM को बनाये रखा जाये (स्टंटिंग में 32% की कमी NFHS-5)
- महिला केंद्रित योजनाए जैसे मुफ्त परिवहन द्वारा महिला सुरक्षा में सुधार हुआ है।
- घोषणा के समय वित्त प्रबंधन प्रस्ताव को भी नागरिकों के समक्ष रखा जाये।
- मतदाता जागरूकता कार्यक्रम।

मुफ्त उपहार की बारम्बारता व विस्तार स्वयं राजनीतिक दलों की सत्ता की प्राप्ति बाद चुनौती बन सकता है अतः इस संबंध में विवेकशीलता व तार्किकता को बढ़ावा देकर ही कोई घोषणा की जानी चाहिए।

16. भारत के शहरी परिदृश्य को बदलने के लिए शुरू किए गए स्मार्ट सिटीज मिशन के मिश्रित परिणाम प्राप्त हुए हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस मिशन को लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।

The Smart Cities Mission, which was launched to change the urban landscape of India has produced mixed results. Discuss. Also, highlight the challenges faced in executing the Mission. (Answer in 250 words) 15

भारत में 2015 में सतत विकास लक्ष्यों की बेहतर प्राप्ति हेतु स्मार्ट सिटी योजना आरंभ की गयी।

स्मार्ट सिटी के अंग

- बेहतर नागरिक प्रशासन
- बेहतर परिवहन तंत्र (इन्टीग्रेटेड परिवहन)
- सेवाओं की प्राप्ति में गुणवत्ता
- पर्यावरण प्रबंधन → बेहतर वेस्ट मैनेजमेंट

स्मार्ट सिटी मिशन के परिणाम :-

सकारात्मक :-

- नागरिक प्रशासन डिजिटलीकरण में वृद्धि।
- वित्त प्राप्ति में सुधार।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- 80% कार्यक्रम अपनी समयसीमा में पूरे।
- पर्यावरण सुरक्षा में बेहतर मॉडल का विकास।

इंदौर → स्वच्छता
इंदौर → बायो गैस मॉडल ↓ परिवहन में प्रयोग (i-Bus)

- सेवा प्राप्ति में सुधार (बैंगलोर मॉडल)

नकारात्मक :-

- पूर्वी भारत में परियोजना निर्माण गति कम।
- संस्थाओं का दोहराव (SPV व शहरी प्रशासन)
- तालमेल की कमी।
- वित्त पर SPV द्वारा नियंत्रण)
- विकेंद्रीकरण की कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुधार के बिन्दु :-

- शहरी प्रशासन तंत्र का क्षमता निर्माण।
- SPV व शहरी प्रशासन समन्वय में सुधार।
- वित्त हेतु निर्भरता में कमी को कम करने हेतु इसका दायित्व
- शहरी स्थानीय प्रशासन को दिया जाये।
- SPV द्वारा केवल प्रबंधकीय भूमिका निभायी जाये।

स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा स्थापित जिला केंद्रीय सूचना केंद्र ने कोविड महामारी में प्रभावी भूमिका निभायी तो 2050 तक लगभग भारत की 50% आबादी शहरों में निवास करेगी अत: शहरों को संधारणीय बनाने के व्यापक प्रयास आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. यह तर्क दिया गया है कि भारत में उद्यमिता परिवेश के समक्ष विद्यमान विभिन्न बाधाओं के बावजूद, भारत के भविष्य को इसके उद्यमियों द्वारा आकार दिए जाने की संभावना है। टिप्पणी कीजिए।
It has been argued that despite several hurdles faced by the entrepreneurship ecosystem in India, the future of India is likely to be shaped by its entrepreneurs. Comment. (Answer in 250 words) 15

भारत विश्व में एक स्टार्ट अप इकोसिस्टम का एक हब बनकर उभर रहा है वर्तमान में भारत में 100 से अधिक यूनिकार्न स्टार्टअप की उपस्थिति इसका प्रमाण है।

संभावना के बावजूद कुछ समस्याए इसके विकास को बाधित करती है जैसे:-

विद्यमान बाधाए :-

- आरम्भिक पूंजी प्राप्ति के कम साधन। (FDI नियमों की जटिलता)
- लालफिताशाही (सरकारी प्रयासों के बावजूद अभी भी कमी)
- सामाजिक परिप्रेक्ष्य जहाँ स्थायी रोजगार को महत्व दिया जाता है व्यापार

को कम प्रोत्साहन।

- R&D में कमी (GDP का 0.6% वही चीन में 2.1%)
- विनियामकीय जटीलताए।
- केंद्र - राज्य संबंध (उद्योगों के विस्तार को चुनौती Foxxconn द्वारा निवेश वापस लिया जाना)

- **संभावनाए** :-

- स्टार्टअप इकानामी में नवाचार को बढ़ावा देने के साथ रोजगार भी उपलब्ध कराते है।
- सरकार के सहयोगी की भूमिका।
- शिक्षा → डिजिटल शिक्षा
- डिलीवरी तंत्र → राशन तक पहुच
- ई. मेडिसीन → स्वास्थ्य सुविधा
- स्टार्टअप परिवेश में लैंगिक समानता का तत्व विद्यमान (40% स्टार्टअप की फाउन्डर महिलाएं)

सुधार के प्रयास :-

- विनियामकीय सुधार।
  - ↳ वित्त तक पहुँच सुविधाजनक।
- मंजूरी तंत्र में सुधार।
  - ↳ सिंगल विंडो क्लीयरेंस।
- सहयोग को बढ़ावा।
  - ↳ करों में छूट।
- Tier - 2 व 3 शहरों में विस्तार को प्रोत्साहन (PLI योजना)

~~भविष्य में~~ भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था व तृतीय बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने हेतु उपरोक्त सुधारों पर कार्य ~~करना~~ करना आवश्यक है ताकि जनसांख्यिकीय लाभांश का बेहतर प्रयोग किया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. हालांकि, 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' योजना ने लैंगिक भेदभाव पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन यह खराब कार्यान्वयन और निगरानी के कारण वांछित परिणाम प्राप्त करने में विफल रही है। चर्चा कीजिए।

Though the 'Beti Bachao, Beti Padhao' scheme has given much-need attention to gender discrimination, it has failed to yield desired results due to poor implementation and monitoring. Discuss. (Answer in 250 words) 15

समाज के व्यवहार परिवर्तन हेतु बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना की शुरुआत हरियाणा के हिसार से की गयी थी।

योजना के मुख्य लक्ष्य:-

- कन्या भ्रूणहत्या पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाये।
- कन्या बाल विवाह को रोकने के प्रयास।
- कन्या शिक्षा का बढ़ावा।
- कन्या के शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के प्रयास।
- समाज में जागरूकता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव :-

- सामाजिक धारणा में बदलाव।
- सकल नामांकन में सुधार।
- बालविवाह में कमी (NFHS-5)
- IMR, MMR में कमी।

कमियाँ :-

- योजना का 80% व्यय विज्ञापन (मुख्यत: डिजिटल व TV पर) में खर्च किया जाना।
- अभी भी सकल नामांकन में अंतर।
- स्वास्थ्य पर अपेक्षित परिणामों में कमी (एनीमिया की स्थिति)

सुधार के बिंदु :-

- विज्ञापन रणनीति में बदलाव।
  - नुक्कड़ नाटकों, ~~रेडिय~~ रेडियो व स्थानीय भाषा का प्रयोग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- निर्भया फंड व अन्य योजनाओं का अभिसरण।
- PCPNDT Act का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाये।
- आर्थिक स्वायत्ता पर ध्यान देते हुए शाला शिक्षा के साथ उच्चतर शिक्षा में नामंकन को बढ़ावा (STEM शिक्षा का विस्तार)

अमृतकाल के पंच प्रण में महिला विरोधी मानसिकता का त्याग भारत को 2047 तक आधुनिक राष्ट्र बनाने में सहायक होगी। इसी प्रकार 49% प्रतिशत आबादी का विकास करके ही भारत समावेशी भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर में सुरक्षा खतरों के स्वरूप और उनकी बारंबारता में वृद्धि के मद्देनजर, इस क्षेत्र में लघु द्वीपीय विकासशील देशों (SIDS) के संबंध में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका पर चर्चा कीजिए।

As security threats increase in form and frequency in the South-West Indian Ocean, discuss the role played by India in relation to small island developing states (SIDS) in the region. (Answer in 250 words) 15

~~हिंद महासागर में भारत की उपस्थिति एक वृहद स्थिर युद्ध पोत के समान है, ज्यो इसे क्षेत्र में भारत को नेट सुरक्षा प्रदाता की~~

हिंद महासागर में भारत की उपस्थिति इसे क्षेत्र का नेट सुरक्षा प्रदाता के रूप में स्थापित करती है।

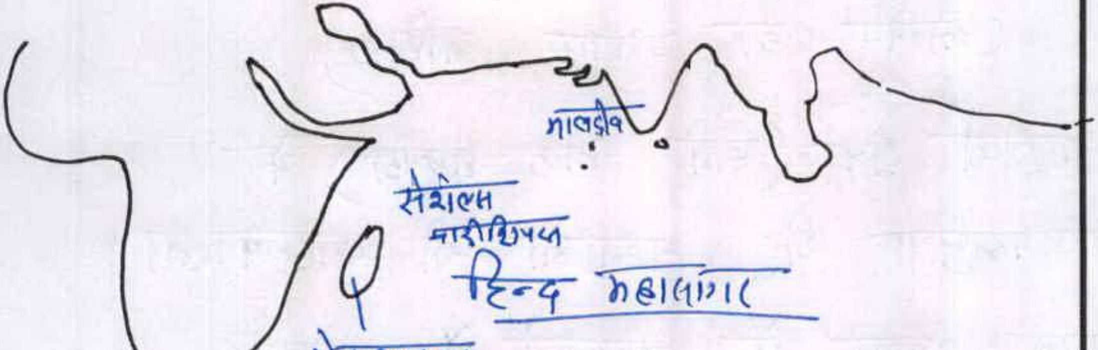

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लघु द्वीपीय देशों की हिंद महासागर में भारत की जिम्मेदारियों को बढ़ाती है।

हिन्द महासागर में मालदीव सेशेल्स, मारीशियस, आदि SIDS उपस्थित हैं।

SIDS पर सुरक्षा खतरें :-

- अस्तित्व पर संकट।
  - ↳ जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभाव।
  - ↳ जलमग्नता (मालदीव)
- कनेक्टिविटी में बाधा।
- अर्थव्यवस्था का संकुचित आधार।
  - ↳ पर्यटन, मत्स्यपालन (कोविड का प्रभाव अधिक)
- अफ्रीकी क्षेत्र (हार्न आफ अफ्रीका) में जलदस्युता की घटनाओं की बारम्बारता।
- अरब सागर में तापमान में वृद्धि।
  - ↳ चक्रवात की बारम्बारता में वृद्धि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जल के तापमान में वृद्धि।
  ↳ मत्स्यपालन प्रभावित।
- चीनी विदेशी नीति।
  ↳ ऋण जाल नीति (मालदीव)

भारत के प्रयास

- HADR सहायता
- CRDI के तहत आपदा प्रबंध अवसंरचना निर्माण में सहायता (मेडागास्कर, मालदीव)
- IOPI की स्थापना।
- फ्रांस - भारत का हिन्द महासागरीय द्वीपीय राष्ट्रों के विकास में सहायता।
- नौसेना द्वारा अरब सागर में जलदस्युता घटना पर अंकुश लगाया गया है।

वस्तुत: ये द्वीपीय राष्ट्रीय SIDS भारत को वृहद आर्थिक लाभ प्रदान कर सकते हैं (बड़ा EEZ) साथ ही UN में इनका सहयोग भारतीय प्रस्तावों की सफलता को सुनिश्चित करेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. चूंकि भारत अपने पड़ोस की पुनः कल्पना कर रहा है, इसलिए उप-क्षेत्रों के माध्यम से सीमा-पार कनेक्टिविटी तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। विश्लेषण कीजिए।
As India re-imagines its neighbourhood, cross-border connectivity through sub-regions is becoming increasingly vital. Analyse. (Answer in 250 words) 15

भारत की दक्षिण एशिया में विदेशनीति का प्रमुख घटक पड़ोसी प्रथम व पूर्व की ओर देखो नीति रही है।

इस संदर्भ में भारत अपने निकट के देशों में कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए कर रहा है।

सीमा-पार कनेक्टिविटी के प्रयास:-

→ BIMSTEC देशों से सहयोग
↳ IMT हाईवे निर्माण पर ध्यान
↳ BBIN कॉरिडोर पर कार्य।
↳ कलादान मल्टी मॉडल परियोजना।

→ INSTC परियोजना द्वारा पश्चिमी पड़ोसियों से जुड़ाव के प्रयास

→ पाकिस्तान द्वारा उत्पन्न ~~समस्या~~ समस्या को विफल करने हेतु चाबहार परियोजना पर कार्य ताकि ईरान के माध्यम से अफगानिस्तान तक पहुँच बनायी जा सके।

→ मालदीव में चीनी प्रभाव को कम करने के लिए ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना का विकास।

→ श्रीलंका में कोलम्बो पोर्ट परियोजना (वेस्टर्न) [जापान की सहायता द्वारा]

चुनौतियाँ :-

- घोषणा व क्रियान्वयन में अंतर।
- क्षेत्रीय राजनीति में बार-बार परिवर्तन (नेपाल श्रीलंका)
- कुछ परियोजनाओं में देरी। (BBIN व IMT)
- अफगानिस्तान में राजनीतिक संकट
- वित्त की कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान के प्रयास :-

- क्षेत्रीय गठबंधनों के माध्यम से समस्या समाधान का प्रयास (BIMSTEC -X रणनीति)
- सागर डाक्टिन के माध्यम से पड़ोसी राज्यों की सहायता (HADR) (वैक्सीन मैत्री)
- गुजराल डाक्ट्रिन का प्रभावी प्रयोग।

भारत को वैश्विक शक्ति बनने का मार्ग दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शक्ति को मजबूती बनाये रखने से होकर गुजरता है फलत: इन परियोजनाओं का सफल क्रियांवयन भारतीय विदेशनीति की सफलता के लिए आवश्यक है।